मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 158 ■ सोमवार, 9 सितंबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र : मात्र 6 महीने में सड़क हादसों में

135 लोगों ने गंवाई जान

6 माह में 535 दुर्घटनाएं | **135 लोगों की मौत** | **314 गंभीर रूप से घायल** | **174 लोगों को मामूली चोटें**

कल्याण. पिछले कुछ महीनों से भारी वाहनों एवं जगह-जगह किए गए यातायात परिवर्तन के कारण ठाणेकर ट्रैफिक जाम में फंस गए हैं। पुलिस का तर्क होता है कि जब ट्रैफिक जाम रहता है तो शहर में हादसों की संख्या कम होती है, लेकिन जनवरी से जून तक महज 6 महीने की अवधि में ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में 135 लोगों की जान सड़क हादसों में जा चुकी है. जिनमें से 28 भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर हैं।

ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में ठाणे शहर से बदलापुर और भिवंडी शहर का हिस्सा शामिल है। ईस्टर्न एक्सप्रेसवे,

मुंबई-नासिक हाईवे, ओल्ड आगरा रोड, मुंब्रा बाईपास, शीलफाटा रोड, कर्जत-बदलापुर रोड और घोड़बंदर जैसी महत्वपूर्ण सड़कें इस शहर से होकर गुजरती हैं। इन सड़कों पर भारी वाहनों के साथ-साथ अन्य वाहनों का भी आवागमन लगा रहता है. शहर के भीतर सड़क नेटवर्क भी व्यापक है।

पिछले कुछ वर्षों में, ठाणे पुलिस ने विभिन्न कारणों से शहर में यातायात परिवर्तन किए हैं। ठाणे कमिश्नरेट क्षेत्र में भारी वाहनों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे और रात 11 बजे से सुबह 5 बजे के बीच चलने की अनुमति है। लेकिन अक्सर चोरी छिपे भारी वाहनों का आवागमन जारी रहता है. इसका असर परिवहन व्यवस्था पर पड़ता है. रोजाना लगने वाले ट्रैफिक जाम से ठाणेकर परेशान हैं। ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी है. पुलिस का तर्क है कि ट्रैफिक जाम से गंभीर दुर्घटनाओं की संख्या कम हो जाती है. लेकिन इस ठाणे कमिश्नरेट क्षेत्र में 1 जनवरी से 30 जून तक 535 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन हादसों में 135 लोगों की मौत हो गई है. जबकि 314 लोगों को गंभीर चोटें आईं और 174 लोगों को मामूली चोटें आईं.

सर्वाधिक हादसे नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में

इन दुर्घटनाओं के थानेवार पंजीकरण पर नजर डालें तो भिवंडी शहर का नारपोली इलाका दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है. मुंबई नासिक राजमार्ग और पुराना आगरा रोड भिवंडी शहर से होकर गुजरते हैं। गोदामों के कारण भिवंडी में भारी वाहनों का आवागमन रहता है। नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में अधिक गोदाम हैं। यहां की स्थानीय पुलिस का कहना है कि हादसों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है. नारपोली पुलिस स्टेशन सीमा में कुल 61 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 28 की हादसे में मौत हो गई है. 40 के घायल होने की खबर है. भिवंडी के बाद डोंबिवली के मानपाड़ा इलाके में सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं. मानपाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 42 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं और 11 लोगों की मौत हो गई है, 34 लोग घायल हुए हैं.

सिंधियत का महाकुम्भ चालिया व्रत समापन, मटकी मेला आज

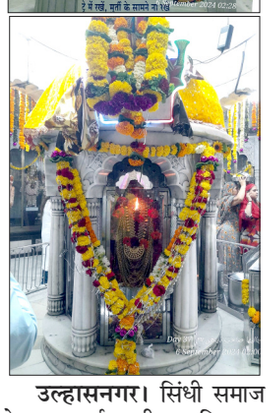

महिलाओं के लिए समय सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक

पुरुषों के लिए समय दोपहर 3 बजे से देर रात तक का समय निश्चित है

उल्हासनगर। सिंधी समाज के पावन पर्व चालीहा साहिब व्रत का आज समापन होने जा रहा है। उल्हासनगर-5 स्थित पूज्य चालीहा साहिब झूलेलाल मंदिर में पिछले 40 दिनों से लाखों भक्तों ने अखंड ज्योत के दर्शन के इस व्रत को रखा था। जिसका आज समापन होने जा रहा है। 9 सितंबर की सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक महिलाओं के मटकी का समय तय किया गया है जबकि 3 बजे से देर रात तक पुरुषों द्वारा मटकी उठाकर मंदिर के पावन जलकुंड में अर्पित करके अपना व्रत छोड़ेंगे।

10 सितंबर को सुबह 11 बजे पल्लव के साथ 2024 का चालीहा पर्व का समापन हो जाता है। इन 40 दिनों में सिंधी समाज के इष्ट देव साईं झूलेलाल भगवान की आराधना की जाती है और दिन-रात भजन कीर्तन होते हैं। चालीहा साहिब ट्रस्ट व पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त मटकी मेले में होता है।

सिंधी समाज चालीस दिनों तक व्रत-उपवास रखकर पूजा-अर्चना के साथ सुबह-शाम झूलेलाल कथा का श्रवण भी करते है, इस महोत्सव में झूलेलाल मंदिरों को विशेष रूप से सुसज्जित किया जाता है, तथा मंदिरों में कथा, आरती, भजन-कीर्तनों के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन रहता है, दीप प्रज्वलन होते है,इन व्रतों के दिनों में महिलाएं प्रतिदिन चार या पांच मुखी आटे का दीपक अपने घरों से लेकर भगवान की पूजा करती है, साथ ही मनोकामनाएं मांगने वाली महिलाएं अपने घर से चावल, इलायची, मिस्त्री व लौंग लाकर झूलेलाल भगवान की आराधना करती है, मटकी और बहराणा साहेब का आयोजन भी होता है, जीवन को सुखी बनाने एवं लोक कल्याण के लिए यह व्रत महोत्सव मनाया जाता है,भगवान झूलेलाल के इस पर्व में जल की आराधना की जाती है, यह सिंधी समुदाय का सबसे बडा.पर्व माना जाता है, ऐसा माना जाता है कि इन दिनों भगवान झूलेलाल वरूणदेव का अवतरण करके अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं, जो भी लोग चालीस दिन तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते है, उनके सभी दुख दूर हो जाते हैं, सिंधी समुदाय का सबसे बडा.धार्मिक आयोजन भगवान झूलेलाल चालिया महोत्सव ही माना जाता है. 76 सालों से प्रज्वलित अखण्ड ज्योत को साक्षी मानते हुए किया जाने वाला 40 दिन का व्रत दुनिया के किसी भी मज़हबी व्रत से ज़्यादा लंबे अंतराल तक चलने वाला व्रत त्यौहार माना जाता है.

मुलुंड में बीएमडब्ल्यू कार ने दो को मारी टक्कर... 1 की मौत !

मुंबई. मुंबई के मुलुंड में शनिवार तड़के एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने सीढ़ी चढ़कर बैनर लगाने वाले गणेश मंडल के दो कार्यकर्ताओं को टक्कर मार दी. इसमें कार्यकर्ता प्रतीम थोरात की मौत हो गई और कार्यकर्ता प्रसाद पाटिल गंभीर रूप से घायल हो गया है. इस मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों में फरार हुए शक्ति की कार को सीज कर लिया था.

पुलिस ने मुलुंड कॉलोनी इलाके से बीएमडब्ल्यू कार जब्त की थी. बता दें कि शक्ति यहीं रहता है लेकिन वह बाइक लेकर फरार हो गया था. आठ टीमों की मदद से पुलिस ने शक्ति को खारघर से गिरफ्तार किया है. इस घटना में मरने वाले प्रीतम ड्राइवर का काम करते थे. वह अपने परिवार के साथ गवनपाड़ा में रहते थे. वहीं घायल हुआ प्रसाद पाटिल छोटा-मोटा काम करके घर चलाता है.

स्कूलों की सुरक्षा हेतु मनपा प्रशासन सक्रिय

- मनपा ने आयोजित की बैठक
- सभी स्कूलों के प्राचार्य शामिल
- हर स्कूल में सीसीटीवी हो
- छात्रों की सुरक्षा हेतु उपाय

उल्हासनगर. स्कूल शिक्षा और खेल विभाग, मुंबई मंत्रालय के निर्देशानुसार उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र के सभी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के लिए सरकार के फैसले को सख्ती से लागू करने के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई थी। हालांकि इस संवेदनशील बैठक में पुलिस प्रशासन का एक भी अधिकारी मौजूद नहीं होने पर हैरानी जताई जा रही है. उल्हासनगर मनपा सभागृह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में सभी स्कूलों के प्राचार्य और निजी स्कूलों के निदेशक शामिल हुए. इस बैठक में 21 अगस्त 2024 को जारी सरकारी फैसले के क्रियान्वयन पर गहन चर्चा की गई. इस निर्णय के अनुसार छात्रों की सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय अनिवार्य किये गये हैं। सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, शिकायत पेटिका लगाने, शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन शीघ्र कराने का निर्देश दिया गया है. छात्रों की सुरक्षा के लिए हर स्कूल में विशाखा समिति और सखी सावित्री समिति के साथ-साथ सुरक्षा समिति का गठन करने का आदेश दिया गया है.

उन्होंने कहा, स्कूलों में सुरक्षा उपाय छात्रों के लिए सुरक्षित सीखने का अनुभव सुनिश्चित करेंगे और माता-पिता की चिंताओं को कम करेंगे।ह बैठक के समापन पर प्रशासनिक अधिकारी दीपक धनगर ने उपस्थित सभी विद्यालय प्रधानों को धन्यवाद दिया तथा सरकार के निर्णय को सख्ती से लागू करने की अपील की। उन्होंने स्कूलों को छात्रों की सुरक्षा के लिए सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया।उल्हासनगर नगर निगम की इस अहम बैठक से स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी. बताया गया कि स्कूलों को सरकारी निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए छात्रों की सुरक्षा के लिए इन उपायों को लागू करना अनिवार्य है। प्रशासन अधिकारी दीपक धनगर, चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहिनी धर्मा, उप लेखा अधिकारी नीलम कदम, सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवरे और महिला एवं बाल कल्याण प्रमुख नितेश रंगारी, जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले उपस्थित थे।

पुलिस विभाग गैर मौजूद

दिलचस्प बात यह है कि उल्हासनगर मनपा ने सूचित किया था कि इस महत्वपूर्ण बैठक के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इस बैठक से मुंह मोड़ने पर शिक्षकों ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने यह भी राय व्यक्त की कि छात्रों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन की भागीदारी आवश्यक है. बैठक में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में मनपा उपायुक्त डॉ. सुभाष जाधव ने सरकार के निर्णय के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया. उन्होंने स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों से अपील की कि वे छात्रों की सुरक्षा में लापरवाही न बरतें।

ट्रैफिक पुलिस पर हमला मामला

'महिला को शिकायत दर्ज कराने आगे आना चाहिए'

- वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल की अपील

उल्हासनगर. उल्हासनगर में शुक्रवार दोपहर एक नशे में धुत रिक्शा चालक द्वारा वर्दीधारी ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने की घटना घटी. इस घटना के बारे में विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल ने जानकारी दी है कि महिला को रिक्शा चालक से बचाते हुए ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल मोहन पाटिल पर हमला हुआ. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल ने उस महिला से शिकायत के लिए आगे आने की अपील की है.

बताया जाता है कि पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बिना लाइसेंस वाली कारों, सीट बेल्ट आदि की जांच करने का आदेश दिया था। उसके अनुसार, पुलिस कांस्टेबल मोहन पाटिल, पुलिस नाइक चव्हाण, वार्डन सतीश खडतरे छत्रपति शाहू महाराज फ्लाईओवर पर जांच कर रहे थे. इसी बीच किसी ने बताया कि एक रिक्शा ड्राइवर एक महिला को परेशान कर रहा है. दिलचस्प बात यह है कि मोहन पाटिल और उनके साथी वहां गए, जबकि यह हमारी सीमा नहीं थी और महिला को बचाने के दौरान रिक्शा चालक ने मोहन पाटिल पर हमला कर दिया. इस मामले में दो रिक्शा चालकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उस महिला यात्री से रिक्शा चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की अपील की है.

अंबरनाथ जयहिंद बैंक में चोरी

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. एक चोर अंबरनाथ जयहिंद बैंक के लोहे के ग्रिल को तोड़कर बैंक में घुसा, जहां उसे कुछ नहीं मिला, तो वह बॉक्स टाइप लोहों का ग्रील ही चोरी करके ले गया है. बैंक के एक कर्मचारी विनायक सकपाले ने अंबरनाथ पुलिस में शिकायत पंजीकृत कराया है कि चोरी की घटना 4 सितंबर की शाम 7 बजे से लेकर 5 सितंबर की सुबह 9 बजे के बीच की है. अज्ञात चोर ने बैंक के किचन की ग्रिल को ऊपर की ओर उठाकर अंदर प्रवेश करके किचन की बॉक्स टाइप लोहे की ग्रिल चोरी करके अपने साथ ले गया है. एक ग्रिल को तोड़कर नुकसान पहुंचाया है. कोई बड़ी चोरी नहीं हुई है. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक लीला थोरात कर रही हैं. विदित हो कि ये चोरी स्टेशन रोड स्थित बैंक में हुई है. इस चोरी की वारदात के बाद बैंक प्रशासन भी सतर्क हो गया है. शहर पूर्व में खेर सेक्शन में भी एक घर का दरवाजा तोड़कर चोर ने घर में प्रवेश करके संगणक, एक सिलाई मशीन को चोरी करके ले गया है.

जावसाई निवासियों को कब मिलेगा पानी

- कब बनेगी सड़क?
- सैकड़ों निवासियों एवं सेबास्टिन ने प्रशासन से पूछा सवाल

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम का जावसाई फुलेनगर कई महिनों से मूलभूत समस्याओं सड़क, पानी और लाइट की समस्या से जूछ रहा है. यहां पर कई इमारतों को बनाने का परमीशन नगर परिषद ने दिया है. लेकिन एक सड़क का निर्माण नपा प्रशासन नहीं करके दे रहा है.

इसी मांग को लेकर पटेल प्रयोषा के सैकड़ों निवासियों ने नपा पर सेबास्टिन ए. टी. की अगुवाई मं मोर्चा निकालकर निवेदन दिया है. उनका कहना है कि पटेल प्रयोषा में 12 बिल्डिंगों में 1500 से ज्यादा निवासी हैं. उन्होंने लाखों रुपया बिल्डर को देकर फ्लैट खरीदा है. लेकिन कई महिनों से वह पानी के लिए तरस रहे हैं. इनकी बिल्डिंगों तक जाने के लिए केवल 10 से 12 फुट चौड़ी एक कच्ची सड़क है. इस रास्ते को 60 फुट करके सीमेंटीकरण करने की मांग कई वर्षों से कर रहे हैं.

नपा ने रास्ता चौड़ीकरण के लिए 85 लाख रुपयों की निविदा तीन वर्ष पूर्व निकाला है. सेबास्टिन का कहना है कि हमें जल्द से जल्द सड़क निर्माण करके दी जाए. नपा प्रशासन ने वादा तो किया है लेकिन देखना है मोर्चा निकालने के बाद सड़क निर्माण कब होता है. इनकी इमारतों के बाजू में ही पानी की बड़ी टंकी है. लेकिन वह बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं. सेबास्टिन का कहना है कि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह एक बड़े मोर्चे का आयोजन करेंगे.

अंबरनाथ में 5 दिनों के भीतर दो नाबालिग लड़कियों का विनयभंग

- आरोपी गिरफ्तार

अंबरनाथ. अंबरनाथ में इन 5 दिनों के भीतर दो नाबालिग लड़कियों के साथ लैंगिक अत्याचार हुआ है. शनिवार 7 सितंबर को शिवाजी नगर पुलिस क्षेत्र में एक 6 वर्षीय लड़की के साथ लैंगिक अत्याचार हुआ है. 3 सितंबर को शहर पश्चिम के जावसई गांव में एक नाबालिग लड़की के समक्ष राहुल भारती (28) नामक व्यक्ति ने पहना हुआ टॉवेल निकालकर नग्न हो गया था. अंबरनाथ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके लैंगिक अत्याचार का अपराध दर्ज किया है. 7 सितंबर को शहर पूर्व में एक 6 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ करके जबरन खींचकर एक 28 वर्षीय व्यक्ति ले जा रहा था. उस व्यक्ति की लोगों ने पिटाई करके शिवाजी नगर पुलिस को फोन करके बुलाकर पुलिस के हवाले किया. पुलिस ने विनय भंग एवं पॉक्सो के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है. बदलापुर में हुई घटना के बाद शहर में अशांति फैल गई थी. रेल रोको आंदोलन भी हुआ था. इस घटना के बाद पुलिस अब सतर्क हो गई है. घटना होने के तुरंत बाद पुलिस अपराध दर्ज कर रही है और आरोपियों को भी तुरंत गिरफ्तार किया जा रहा है.

प.रे.ने बेटिकट यात्रियों से वसूले 62 करोड़

मुंबई. पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में अत्यधिक प्रेरित टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल से अगस्त के दौरान कई टिकट जांच अभियान चलाए गए, जिससे 62.31 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की गई, जिसमें मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 20 करोड़ रुपए की राशि भी शामिल है। अगस्त के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 1.19 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 4.96 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की गई। इसके अलावा अगस्त में पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड पर 82 हजार मामलों का पता लगाकर 2.62 करोड़ रुपए का जुर्माना प्राप्त किया गया।

लादी नाका से बस चोरी

- जानकारी मिलने पर पुलिस से संपर्क करें

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक शानदार लक्जरी ट्रैवेल की बस अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया है. ये अशोक लेलैंड बस क्र. एमएच06-5-9743 कल्याण-बदलापुर सड़क पर लादी नाका के पास रात में खड़ी थी. अज्ञात चोर ने रात 11.20 बजे बस चोरी की है.

अंबरनाथ पुलिस ने आह्वान किया है कि बस के बारे में किसी को जानकारी मिले तो अंबरनाथ पुलिस या एपीआई भालेराव से मोबाइल क्र. 8308825181 पर संपर्क करें. पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को रात 12.15 बजे बस को होटल आंगन के सामने से ऐरोली नवी मुंबई की ओर जाते देखा गया है. हरे रंग की बस जिसके आगे कांच पर ऊपर की ओर अंग्रेजी में गाइड लिखा है और ओम साई भी लिखा है. अंबरनाथ पुलिस में चोरी का मामला भा.न्या.सं. की धारा 303(2) के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जगन्नाथ कलसकर ने वाट्स एप द्वारा हमें ये जानकारी दी है.

बाल शिवाजी उद्यान बना गर्दुल्ले-शराबियों का अड्डा

- महानगर पालिका की उपेक्षा का है शिकार
- 60 लाख का फंड स्वीकृत, लेकिन काम नहीं हुआ शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर में बाल शिवाजी उद्यान कई वर्षों से उपेक्षित है। मरम्मत की आड़ में कभी-कभी ठेके दिए जाते हैं। लेकिन ये काम आधे-अधूरे ही होते हैं. उल्हासनगर महानगर पालिका में कई वर्षों तक शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीतिक दल सत्ता में रहे। उनसे आशा थी कि अद्यतन बाल शिवाजी उद्यान बनेगा। लेकिन अफसोस है कि यह पूरा नहीं हो सका.

यह बाल शिवाजी उद्यान प्रभाग क्र. 1 के कमला नेहरूनगर, धोबीघाट में स्थित है। पार्क का नियमित रखरखाव, सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति जरूरी है. रोशनी की कमी के कारण यहां रात के समय अंधेरे का फायदा उठाकर शराबियों की बड़ी संख्या रहती है।

पार्क की जगह पर इमारत बनाने का प्रयास

2021 में, मनपा प्रशासन ने पार्क परिसर में वर्मी कम्पोस्टिंग परियोजना को लागू करने का प्रयास किया। लेकिन स्थानीय नागरिकों के विरोध के बाद इस परियोजना को बंद कर दिया गया। कुछ दिन पहले बीजेपी विधायक कुमार आयलानी ने इस पार्क की जगह पर उत्तर भारतीय भवन बनाने की घोषणा की थी. उसके लिए 50 लाख रुपये भी स्वीकृत किये गये. लेकिन मनसे नेताओं के विरोध के बाद यह प्रोजेक्ट भी लगभग बंद हो गया है.

मनसे ने दी आंदोलन की चेतावनी

बाल शिवाजी उद्यान के जीर्णोद्धार की बार-बार मांग के बाद आखिरकार मनपा प्रशासन ने इस पार्क के जीर्णोद्धार के लिए 60 लाख रुपये के फंड को मंजूरी दे दी है. ठेकेदार को वर्क ऑर्डर भी मिल चुका है, लेकिन वास्तविक काम शुरू नहीं हुआ है। हमारी मांग है कि अगर ठेकेदार समय पर काम शुरू नहीं करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये. मनसे पदाधिकारियों ने मनपा प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर अगले दो दिनों में काम शुरू नहीं किया गया तो पार्टी भूख हड़ताल करेगी.

वृद्ध महिला से 28 लाख रुपये की ठगी !

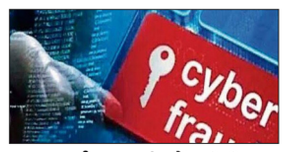

वसई. वसई में डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया है. बैंक से सेवानिवृत्त एक वृद्ध महिला से साइबर अपराधियों ने 28 लाख रुपये की ठगी कर ली है. एक सप्ताह में यह इस तरह की दूसरी घटना है. वादी महिला की उम्र 76 साल है और वह मुंबई के बांद्रा के पाली हिल इलाके में रहती है। वह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुईं। उनके पति बीमार हैं, इसलिए वह फिलहाल उनके इलाज के लिए वसई के एक प्रतिष्ठित आश्रम में रह रही हैं।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास

संपादकीय

भारी न पड़ जाए आतंकियों की रिहाई

पाकिस्तान इस्लाम व इस्लामी विचारों को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया है, न कि किसी सैन्य शासन के अधीन संचालित होने या पश्चिमी देशों का पिट्ठू बनने के लिए। पाकिस्तान का पूर्वी हिस्सा रह चुका बांग्लादेश भी इसी सोच को जीता रहा है। चूंकि उसके निर्माण की बुनियाद ही यह है, इसलिए मौजूदा अंतरिम सरकार में शामिल अधिकतर लोग यही राय रखते हैं कि बांग्लादेश को इस्लामी राष्ट्र बनना चाहिए। इसी कारण, शेख हसीना के तख्ता-पलट के बाद बांग्लादेश में हालात पूरी तरह से उलट-पलट हो चुके हैं और कट्टरपंथियों को अहमियत देने के साथ-साथ अब उन दहशतगर्दों को भी जेलों से बाहर निकाला जाने लगा है, जो इस्लामी आतंकवाद का चेहरा रहे हैं। इनमें जमात-ए-इस्लामी और अंसार अल इस्लाम जैसे आतंकी गुटों के नेता भी शामिल हैं। बेशक यह कहा जा रहा है कि शेख हसीना के कार्यकाल में इन्हें गैर-कानूनी ढंग से कालकोठरी में डाल दिया गया था, लेकिन सच यही है कि रिहा होने वाले आतंकियों में से कई किसी भी राष्ट्र को अशांत कर सकने में सक्षम हैं। वास्तव में, इन दहशतगर्दों को भारत जैसे देशों की मांग पर ही गिरफ्तार किया गया था। नई दिल्ली ही नहीं, दक्षिण एशिया के तमाम राष्ट्र यह कहा करते थे कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसे-ऐसे गुट पनप रहे हैं, जिन्हें क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने के लिए खाद-पानी दिया जा रहा है। चूंकि शेख हसीना भारत की हितैषी थीं, इसलिए उन्होंने अपने शासनकाल में ऐसे तमाम अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज दिया था। मगर अब अंतरिम सरकार ने उनके लिए जेल के दरवाजे खोल दिए हैं। विडंबना यह है कि रिहाई का सूरज देखने वाले जमात-ए-इस्लामी के नेतागण आज भी बांग्लादेश को पाकिस्तान का ही हिस्सा मानते हैं और बांग्ला संस्कृति की खुलकर मुखालफत करते हैं। फिर भी, मोहम्मद यूनुस की कार्यकारी सरकार यही मानकर चल रही है कि देश के हालात यदि स्थिर करने हैं, तो न सिर्फ जमात-ए-इस्लामी से संबंध बेहतर बनाने होंगे, बल्कि पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों का भी हाथ पकड़ना होगा और चीन-अमेरिका जैसे बड़े देशों का भी। बहरहाल, बांग्लादेश और भारत के आपसी रिश्ते काफी जटिल हैं। ऐसे में, वहां आतंकियों की मिलती रिहाई को देखकर हमें अपनी सुरक्षा तैयारियां को एक बार फिर से परख लेना चाहिए।

हमारे पास सबसे ज्यादा दूध, पर उसमें कितना शुद्ध

देश-दुनिया में इन दिनों व्यापक बहस छिड़ी हुई है। दूध और दूध से बने उत्पादों को ए-1 और ए-2 में बांटकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी गई है। छोटे-छोटे शोधों की आड़ लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) भी इससे अनभिज्ञ नहीं है। फिलहाल, ए-2 दूध की ब्रांडिंग पर लगाई गई रोक को वापस ले लिया गया। कहा गया है कि इस मुद्दे पर डेयरी उद्योग के कारोबारियों और हितधारकों से चर्चा उपरांत फैसला लिया जाएगा।

आखिर यह फैसला वापस क्यों लिया गया? इसके पीछे व्यापारिक हित हैं या जनहित? ऐसे कई सवाल, खासकर उन लोगों के जेहन में अधिक उमड़-घुमड़ रहे हैं, जिनकी सुबह और रात दूध के साथ होती है। ध्यान रहे कि गाय के दूध में कैसीन और व्हे प्रोटीन पाया जाता है। प्रोटीन में भी 25 से 35 फीसदी, अर्थात एक तिहाई बीटा कैसीन प्रोटीन होता है। बीटा कैसीन की दो प्रमुख कड़ियां क्रमशः ए-1 व ए-2 हैं। ए-2 की एमिनो एसिड कड़ी के 67वें स्थान पर प्रोलीन, तो ए-1 में प्रोलीन के स्थान पर हिस्टिडीन (विषाक्त) होता है। ए-1 की कमजोर कड़ी पाचन के समय टूटकर विषाक्त प्रोटीन बीटा कैसोमार्फीन बनाती है।

क्या वाकई ए-1 दूध के सेवन से डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग होते हैं? इस पर विदेशों में शोध का आकार काफी छोटा या खरगोश जैसे जानवरों तक केंद्रित रहा है। भारत को केंद्र में रखकर किया गया कोई प्रामाणिक शोध दिखाई नहीं पड़ता है। वास्तव में, ए-

1 बीमारी नहीं, बल्कि बीमारी की आशंका बढ़ा सकता है। सही मात्रा में दूध का सेवन शरीर के लिए जरूरी 50 फीसदी पोषक तत्वों की पूर्ति कर सकता है। स्वस्थ व्यक्ति के लिए 240 मिलीलीटर दूध पर्याप्त है। इसकी अधिकता आपके शरीर में कई बीमारियों की नींव डाल सकती है।

भारतीय परिवारों में गाय के साथ-साथ भैंस, बकरी और ऊंटनी के दूध का इस्तेमाल किया जाता है। यह सभी ए-2 श्रेणी में आते हैं। आयुर्वेद में गाय के दूध को बुद्धि, आयु, स्वास्थ्य व सौंदर्यवर्द्धक बताया गया है, तो भैंस के दूध को गरिष्ठ, वातकारक और कब्जधारक। चरक संहिता के सूत्र 27/217 में गाय के दूध में दस गुण बताए गए हैं, स्वादिष्ट, शीतल, कोमल, चिकना, गाढ़ा, लसदार, भारी और बाहरी प्रभाव को विलंब से ग्रहण करने वाला तथा मन को प्रसन्न करने वाला। राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल बता चुका है कि भारत की 98 फीसदी से अधिक गायों का दूध ए-2 श्रेणी का है।

अभी भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, पर शुद्ध दूध की उपलब्धता दिनोंदिन कम हो रही है। मुनाफे के लिए दूध में घातक यूरिया, शव लेपन के काम आने वाला फॉर्मेलिन, डिटर्जेंट, अमोनियम सल्फेट, बोरिक एसिड, कास्टिक सोडा, बेंजोइक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, शर्करा, मेलामाइन जैसे तत्वों-रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है। इनका लगातार इस्तेमाल ही हृदय संबंधी समस्याओं के साथ लोगों को कैंसर तक लेकर जा रहा है। मोटापा, खाद्य विषाक्तता, दुर्बलता, जठरांत्र संबंधी जटिलताएं आम हैं। ए-1 और ए-2 में उलझने के बजाय हमें मिलावटी दूध को सख्त कानूनों के साथ नियंत्रित करना होगा।

पिछले चालीस सालों में कुछ नहीं बदला है। मुनाफाखोरी ने मिलावट का एक बड़ा बाजार विकसित किया है। हवा-पानी, दूध-भोजन कुछ भी शुद्ध नहीं रहा। दूध और दूध से बने उत्पाद ही नहीं, विभिन्न प्रकार के मसालों, खाद्य पदार्थों, फल-सब्जियों की चमक-दमक घातक है। सुबह से शाम तक हमारे शरीर में घातक रसायनों का प्रवाह अनायास हो रहा है।

हमारे देश की पहचान आज 'डायबिटीज कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के तौर पर है, तो आने वाले समय में इसे 'कैंसर कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के तौर पर जाना जाएगा। हृदय रोगियों की तेजी से बढ़ती संख्या भी चौंकाती है। पित्त की थैली के कैंसर के साथ पथरी, फेफड़े, लीवर, आंत में गंभीर संक्रमण के पीछे मिलावटी खानपान एक बड़ा कारण है। मिलावट में स्थानीय दुकानदार ही नहीं, ब्रांडेड कंपनियां तक शरीक हैं। मिलावटखोरों से समाज मिलकर ही लड़ सकता है। यदि ऐसा न हुआ, तो चुप्पी की सजा हमारी आने वाली पीढ़ियों को भुगतनी पड़ेगी।

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जंगल-आहार संरक्षण अहम

इन दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़िये का खौफ शेर से अधिक है। बीते कुछ दिनों में नौ बच्चों सहित दस लोग आदमखोर भेड़िये का शिकार हुए हैं। कुछ गांवों से पलायन शुरू हो गया है। जंगल महकमा अभी तक चार भेड़ियों को पकड़ चुका है, लेकिन अंधेरा होते ही भय, अफवाह और कोहराम शुरू हो जाता है। चार सितंबर को जब बीते 48 घंटों में छह बार भेड़िये के हमले की सूचना आई, तो राज्य सरकार ने गोली मारने के आदेश दे दिए।

वैसे भारतीय भेड़िया (कैनिस ल्यूपस पैलिप्स) भूरे भेड़िये की एक लुप्तप्राय उप-प्रजाति है। चिड़ियाघरों में कोई 58 भेड़िये हैं, जबकि पूरे देश में 55 प्रजाति के तीन हजार से कम भेड़िये ही बचे हैं । उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में शायद इनकी संख्या तीन सौ भी न हो। आदमखोर भेड़ियों को मारना या पकड़ लेना तात्कालिक समाधान तो है, लेकिन गहन जंगल और गन्ने की सघन खेती वाले बहराइच में जानवर का नरभक्षी बन जाना इन्सान-जानवरों के टकराव की ऐसी अनबूझ पहेली है, जिसका हल नहीं खोजा, तो यह समस्या विस्तार ले सकती है।

समझना होगा कि कोई भी जानवर या तो वह भोजन के लिए या फिर भय के चलते ही हमलावर होता है। अब कम सघन जंगल में रहने वाले मांसाहारी जानवर बस्ती के पास आ रहे हैं। जब भेड़िये को बस्ती में उसके लायक छोटा जानवर नहीं मिलता, तो वह छोटे बच्चों को उठाता है और एक बार उसे मानव-रक्त का स्वाद लग जाता है, तो वह उसके लिए पागल हो जाता है। भेड़िये एक जटिल सामाजिक संरचना वाले झुंड में रहने वाले जानवर हैं, जो

आक्रामक और चंचल दोनों तरह के व्यवहार करते हैं। ये इन्सान को देखकर डरते हैं, पर भागते नहीं। वे आमतौर पर इन्सान से सतर्क रहते हैं।

भारतीय भेड़िये झाड़ीदार जंगल, घास के मैदान, अर्ध-शुष्क क्षेत्र और कम घने जंगल में रहना पसंद करते हैं। ऐसे स्थान, जहां एकांत हो और वे मांद बना सकें, उनके पर्यावास की प्राथमिकता होती है। बहराइच का इलाका इसलिए उन्हें पसंद है। लेकिन जिस तरह से जलवायु परिवर्तन का प्रभाव उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्रों में हुआ है, जिसके अनुकूल होने में जानवरों को दशकों लगेंगे। फिलहाल वे मौसम के अस्वाभाविक परिवर्तन के कारण पैदा हुए पर्यावास और भोजन के हालात से जूझने के लिए पलायन कर रहे हैं।

भेड़िये के व्यवहार में आ रहे बदलाव का कारण रैबीज के अलावा कोई रोग भी हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न हो रही नई बीमारियां और कीट, भेड़ियों और उनके शिकार को संक्रमित कर सकते हैं। यह भी उनके आक्रामक होने का एक कारण हो सकता है। किसी इलाके में इनकी संख्या वृद्धि या फिर सहवास न कर पाने के चलते भी इनमें आक्रामकता आती है।

भेड़िये भी जंगल और प्राकृतिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गहन जंगलों वाले इलाके कम होने से इन्सान और जानवर में टकराव बढ़ता जा रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि किसी जानवर को नरभक्षी बनने से कैसे रोका जाए, इसके लिए उनके लिए पर्याप्त जंगल और उनके स्वाभाविक आहार को संरक्षित करने का काम करना होगा।

तीन महीने में लकड़ी से बुलेट को कर दिया मोडीफाई

जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी एडवांस होते जा रही है, वैसे-वैसे युवाओं में भी नई-नई टेक्नोलॉजी विकसित करने का आईडिया आते जा रहा है. युवा तकनीक का प्रयोग कर नई-नई चीजों का आविष्कार कर रहे हैं. उन्हीं में से लकड़ी का बुलेट है, जो दूर से देखने के बाद बिल्कुल ऑरिजनल लगती है. लकड़ी का बुलेट मुरादाबाद के लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया ओर लोग बुलेट के साथ सेल्फी लेना पसंद कर रहे हैं.

जरा हट के

दरअसल, उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर में एक युवक ने कमाल कर दिया है. उसने अपने हुनर का लोहा मनवा लिया है. उसके कारनामे देखने वाले दंग रह जा रहे हैं. जो भीबुलेट देखने आता है, वह देखते ही रह जाता है क्योंकि उसने काम ही ऐसा किया है कि लोग तारीफ किए नहीं रह पा रहे हैं. बिजनौर के जुनैद ने लकड़ी से बुलेट

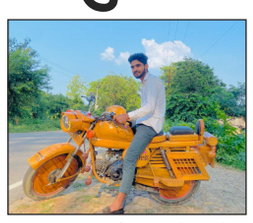

बाइक बनाई है. उसने बुलेट को मॉडिफाई करके लकड़ी का बनाया है. इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और हर कोई बुलेट बनाने वाले जुनैद की तारीफ कर रहा है और उनके हुनर को सलाम कर रहा है.

जुनैद ने बुलेट को लकड़ी के जरिए मॉडिफाई कर सड़क पर कुछ ही महीनों में उतार दिया. जिसे देखकर बिजनौर के डीएम ने भी जुनैद की प्रशंसा की. साथ ही सड़क पर दौड़ती जुनैद की बुलेट का हर कोई दीवाना हो चला है. हर कोई बाइक के सामने खड़े होकर खूब सेल्फी ले रहे हैं. बिजनौर के गांव जलीलपुर के रहने वाले मो. जुनेद सैफी पेशे से कारपेंटर हैं. हमेशा कुछ अलग करने की सोच और जिद की वजह से जुनैद ने बुलेट को मॉडिफाई करके लकड़ी का बना डाला और इतना ही नहीं जुनैद ने हेलमेट भी लकड़ी का ही बनाया है. यह हेलमेट सुरक्षा के लिहाज से भी काफी टिकाऊ है.

जुनैद सैफी ने मॉडिफाई बुलेट बाइक को तकरीबन तीन महीने में तैयार किया है. जिसमें लागत की अगर बात करें तो 80 से 90 हजार रुपए की लागत आई है. जुनैद ने बताया कि जल्द ही इसे इलेक्ट्रिक बाइक में तब्दील करेंगे.

गणेश उत्सव पर बच्चों को सिखाएं ये बातें...

■ तभी संस्कृति से होगा उनका जुड़ाव

बच्चे बप्पा को अपना दोस्त मानते हैं। ऐसे में वो बेहद उत्साह से उन्हें अपने घर लेकर आते हैं। ऐसे में अगर आपने घर पर गणपति स्थापना की है, तो बच्चों को इस महत्वपूर्ण आयोजन के बारे में कुछ खास बातें सिखाना जरूरी है, ताकि वे इस परंपरा और इसके महत्व को समझ सकें। बच्चों को गणपति स्थापना और पूजा में सक्रिय रूप से शामिल करने से न केवल उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक जानकारी बढ़ेगी, बल्कि वे इन परंपराओं से जुड़ाव भी महसूस करेंगे।

■ भगवान गणेश का महत्व

बप्पा की स्थापना की है, तो सबसे पहले अपने बच्चे को उनका महत्व बताएं। इसके लिए आप भगवान गणेश से जुड़ी कहानियां उन्हें सुना सकते हैं। बच्चों को बताएं कि हर कार्य की शुरुआत में उनकी पूजा क्यों की जाती है, ताकि जब भी वो कोई शुभ कार्य करें तो खुद भगवान गणेश को याद रखें।

■ स्थापना के पीछे का महत्व बताएं

आजकल तकरीबन हर घर में बप्पा की स्थापना की जाती है, लेकिन काफी लोगों को उसके बाद भी इसके पीछे की कहानी नहीं पता होगी। ऐसे में अपने बच्चे को शुरुआत से बप्पा के आगमन के पीछे की कहानी बताएं। इसके साथ ही उन्हें मूर्ति स्थापित करने के दौरान होने वाली विधियों के बारे में जानकारी दें।

■ सिखाएं मंत्र और पूजा की विधि

बच्चों के सामने खुद से आरती और मंत्र गाएं। बच्चों को पूजा के दौरान मंत्रों का उच्चारण करने का महत्व समझाएं। सरल मंत्र जैसे "ॐ गण गणपतये नमः" सिखाएं और उनके अर्थ को समझाएं, ताकि ये उन्हें याद रहें।

■ पर्यावरण संरक्षण भी सिखाएं

आजकल ऐसी मूर्तियां बाजार में मिलने लगी हैं, जिनको विसर्जित करने से पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता। ऐसे में अपने बच्चों को बताएं कि गणपति की मूर्ति पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनानी चाहिए, जिससे विसर्जन के बाद पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

■ दें सहयोग और एकता का संदेश

ये एक ऐसा उत्सव होता है, जिसमें लोग एक साथ मिलजुल कर बप्पा की पूजा करते हैं। ऐसे में बच्चों को ये पाठ जरूर पढ़ाएं। बच्चों को परिवार के साथ मिल-जुलकर काम करना, मिलकर सजावट करना, और प्रसाद तैयार करना सिखाएं।

■ विसर्जन का महत्व

गणपति के आगमन के साथ-साथ उन्हें विसर्जन का महत्व पता होना भी जरूरी है। ऐसे में अपने बच्चे को गणपति विसर्जन का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व समझाएं। साथ ही उन्हें सिखाएं कि विसर्जन को पर्यावरण के प्रति जागरूक तरीके से किया जाए।

ओट्स का चीला

खाना-खजाना

आज हम आपको ऐसी डिश के बारे में बताएंगे, जिसे आप कम समय में घर पर तैयार कर सकते हैं. यह डिश खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद मानी मानी गई है. डायबिटीज पेशेंट के लिए ओट्स का चीला एक परफेक्ट फूड हो सकता है.

सामग्री

ओट्स का चीला बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी जैसे 1 कप ओट्स, आधा कप दही, एक बारीक कटा प्याज, एक बारीक कटा टमाटर, तीन से चार हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, एक छोटा चम्मच जीरा, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, स्वाद अनुसार लाल मिर्च पाउडर, नमक और थोड़ा तेल.

बनाने का तरीका

इन सभी सामग्री का इस्तेमाल कर आप घर पर कम समय में आसानी से डायबिटीज पेशेंट के लिए ओट्स का चीला तैयार कर सकते हैं. ओट्स का चीला बनाने के लिए एक बाउल में ओट्स लें. उसमें थोड़ा पानी डालकर 10 से 15 मिनट तक ओट्स को भिगो लें.

नॉन स्टिक तवे का करें इस्तेमाल

अब इस भीगे हुए ओट्स में दही, बारीक कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, जीरा, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह सभी सामग्री को मिला लें. अब एक नॉन स्टिक तवा गैस पर गर्म होने के लिए रख दें. अब तैयार किए हुए पेस्ट को तवे पर डालकर फैला लें और मीडियम आंच पर इसे दोनों तरफ से पलटकर सेक लें.

चटनी या सांभर के साथ करें सर्व

अब इस चिले पर तेल लगाकर दोनों तरफ से सेक लें. जब ये दोनों तरफ से सुनहरा हो जाए, तो इसे एक प्लेट में निकालकर दही, चटनी या सांभर के साथ परोस सकते हैं. ओट्स का ये चिला स्वादिष्ट होने के साथ-साथ डायबिटीज पेशेंट के लिए काफी फायदेमंद माना गया है. आप इसे ब्रेकफास्ट या लंच में खा सकते हैं.

नींबू के छिलके से बना लें पेडिक्योर स्क्रब

गंदे, काले, कटे-फटे पैर दिखने में खराब लगते हैं। पैरों को साफ करने और पेडिक्योर करने के लिए किसी भी पार्लर में जाने की जरूरत नही है। घर में ही बेकार नींबू के छिलके से बनाएं पेडिक्योर करने के लिए स्क्रब। पैर बिल्कुल चमकदार दिखने लगेंगे।

■ बेकार नींबू के छिलके से करें पैरों में पेडिक्योर

- दो से तीन नींबू के छिलके
- स्क्रब
- कैस्टर ऑयल
- बेबी ऑयल
- बेकिंग सोडा

■ नींबू के छिलके से ऐसे करें पेडिक्योर

- सबसे पहले एक गिलास पानी को गर्म होने रखें। इसमे दो से तीन नींबू के छिलके को डाल दें और अच्छी तरह से उबाल लें।
- अब इस गर्म पानी को बड़े बर्तन में डालकर और पानी मिला लें। जिससे कि पैरों को डुबोना आसान हो जाए।
- अब उबले नींबू के छिलके पर स्क्रब लगाएं और पैरों को इससे साफ करें। एड़ी, नाखून के कोनों को नींबू के छिलके से रगड़े और साफ करें।
- पानी से साफ कर लें।
- अब किसी बाउल में एक चम्मच बेबी ऑयल, एक चम्मच कैस्टर ऑयल और एक चम्मच बेकिंग पाउडर को मिलाकर पेस्ट तैयार करें और पैरों में लगाकर मसाज करें।

इस तरह सजाएं बच्चों का कमरा

■ देखने में लगेगा खूबसूरत,

■ अपने रूम में जाकर होंगे बेहद खुश

आजकल ज्यादातर लोग घर में बच्चों को अलग कमरा देते हैं. लेकिन बच्चों के कमरे को डेकोरेट करना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में कुछ डेकोरेशन टिप्स फॉलो करके आप बच्चों के कमरे को बेस्ट लुक दे सकते हैं. ये तरीके कमरे को खूबसूरत लुक देने में तो मदद करेंगे ही, साथ ही बच्चे भी इसे देखकर काफी खुश नजर आएंगे.

दरअसल, घर में कि* का रूम अलग होने पर बच्चे अपना अधिकतम समय अपने कमरे में ही बिताना पसंद करते हैं, इसलिए पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि बच्चों के कमरे को इस तरह से डेकोरेट करें, जिससे बच्चों को पॉजिटिव माहौल मिल सके. आइए जानते हैं बच्चों के कमरे को सजाने के तरीके.

■ कमरे का कलर डिसाइड करें

बच्चों को कलरफुल चीजें

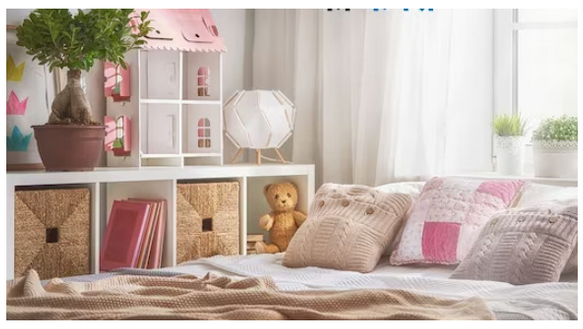

ज्यादा पसंद होती हैं. ऐसे में बच्चों के रूम को उनके मनपसंद रंगों से कलर करवाना बेहतर होगा. इसके लिए आप चाहें तो कोई थीम भी डिसाइड कर सकते हैं. अगर आप वास्तु में यकीन करते हैं, तो आप कमरे की पॉजिटिविटी मेंटेन रखने के लिए वास्तु के अनुसार कमरे को कलर करवा सकते हैं.

■ खूबसूरत और सेफ फर्नीचर रखें

बच्चों के रूम के लिए फर्नीचर सेट करते समय सेफ्टी का भी खास ख्याल रखें. कभी भी रूम में नुकीले किनारों वाले और हैंगिंग फर्नीचर न रखें. साथ ही डबल स्टोरी या ऊंचे बेड सेट न करें. इससे बच्चों को चोट लग सकती है. रूम को खूबसूरत लुक देने के लिए कलरफुल मच्छरदानी का इस्तेमाल कर सकते हैं.

■ स्टडी टेबल सजाएं

बच्चे के लिए स्टडी टेबल भी अच्छी तरीके से सेट करें. ध्यान रखें कि रिवॉल्विंग स्टडी टेबल और चेयर यूज न करें. इससे बच्चे टेबल और चेयर को मूव कर सकते हैं, जिनसे उनको चोट लग सकती है. इसके साथ ही पॉजिटिव एनर्जी देने वाले पौधे भी आप स्टडी टेबल पर सजा सकते हैं.

■ दीवारों को सजाएं

कमरे को आकर्षक लुक देने के लिए, आप दीवारों को बच्चों के पसंदीदा वॉलपेपर से सजा सकते हैं. जिन पर कार्टून, बादल या फिर खूबसूरत फूल हो सकते हैं. इससे रूम का लुक सुंदर दिखेगा, साथ ही बच्चे दीवारों को गंदा नहीं कर सकेंगे और दीवारें साफ-सुथरी रहेंगी.

आज का राशिफल

मेष : आज के दिन रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी। व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है।

वृषभ : आज नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए। राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें।

मिथुन : दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। बाहरी मामले में दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। अधिक लोभ-लालच न करें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आज का दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। दूर से रिश्तेदारी में शोक समाचार मिल सकता है।

सिंह : आज व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। आलस्य से बचकर रहें। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ने से मन अतिप्रसन्न रहेगा।

कन्या : व्यवसाय की यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला : आज नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यापार सामान्य चलेगा।

वृश्चिक : व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नए कामों में सफलता मिलेगी। खर्च का बोझ बढ़ेगा। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आर्थिक समस्या रह सकती है। माता की सेहत का ध्यान रखें।

धनु : पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी।

मकर : व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं।

कुंभ : आज धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। दिन लाभकारी बना रहेगा।

मीन : व्यापारिक साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे। फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

उपचुनाव में बुलडोजर के बाद भेड़िए की भी आमद

लखनऊ. लोकसभा चुनाव के दौरान खाली हुई यूपी की 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तैयारी में जुट गई है। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में शामिल ये दल उपचुनाव में यूपी सरकार पर उसकी 'अलोकतांत्रिक' कार्यशैली, 'ध्वस्त' होती कानून व्यवस्था पर लगातार हमला बोल रहे हैं। पहले बुलडोजर एक्शन पर विपक्ष सरकार को घेर रही थी, लेकिन अब सियासत में भेड़िए की आमद हो गई है। माना जा रहा है कि कांग्रेस और सपा उपचुनाव में भेड़िए के हमले को मुद्दा बना सकती है। फिलहाल उपचुनावों का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है।

'जाको राखे साइयां...', पिता ने बेटे को सर्जिकल वार्ड से फेंक दिया नीचे; फिर...

देवरिया. 'जाको राखे साइयां मार सके ना कोय'। कबीर दोहावली का ये महत्वपूर्ण दोहा रविवार को यूपी के देवरिया में चरितार्थ हो गया। भोर होते ही यहां के महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज में एक अजीबोगरीब घटना हुई। एक पिता ने अपने मासूम बेटे को सर्जिकल वार्ड की खिड़की से नीचे फेंक दिया। संयोग ठीक था कि उसी समय नीचे से गुजर रहे हैं लोगों ने बच्चे को कैच कर लिया जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी होने पर मेडिकल कॉलेज में पुलिस पहुंच गई। पिता को हिरासत लेकर कोतवाली चली गई। बाद में परिजनों की मनुहार पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया। बच्चे का पिता नशे का आदी बताया जा रहा है।

चचेरे बाबा ने मासूम पोती को घर में बुलाकर की हैवानियत, बहू के थाने जाते ही हुआ फरार

संतकबीरनगर. संतकबीरनगर के दुधारा क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को रिश्ते का शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। रिश्ते में चचेरे बाबा ने छह साल की मासूम पोती को घर में बुलाकर उसके साथ हैवानियत की। पीड़ित मां की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित मां का आरोप है कि शुक्रवार को दिन में करीब तीन बजे उसके 48 वर्षीय चचिया ससुर ने उसकी छह वर्ष की बेटी को अपने घर में बुलाकर गलत काम किया। घटना के बाद से उसकी बेटी डरी सहमी है।

बेटों ने सुपारी देकर कराई पिता की हत्या, पुलिस एनकाउंटर में शार्प शूटर गिरफ्तार

शामली. चर्चित होटल व्यवसायी हिस्ट्रीशीटर शिव कुमार उर्फ गुड्डन कांबोज हत्याकांड में पुलिस ने मृतक के दो बेटों औऱ दो शार्प शूटरों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक शार्प शूटर मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है। एसपी रामसेवक गौतम ने बताया कि उसके दो बेटों ने दस लाख की सुपारी देकर पिता की हत्या कराई। हत्या का कारण प्रोपर्टी विवाद था। गुड्डन के दोनों बेटों ने ही मेरठ के दो शार्प शूटरों को 10 लाख रुपये में सुपारी देकर हत्या कराई थी। शनिवार की देर रात पुलिस की सिंभालका बाईपास के पास शार्प शूटरों से मुठभेड़ हो गई। एसपी राम सेवक गीतम ने बताया कि देर रात सूचना मिली कि सिंभालका बाईपास के पास कुछ बदमाश एक नलकूप के पास बैठे हैं। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो दो बदमाश मौके से भागने लगे।

देश के 25 हाईकोर्ट में 58 लाख केस पेंडिंग

- 62 हजार मामले पिछले 30 साल से लंबित
- 3 केस 72 साल पुराने

नई दिल्ली. देश के पेंडिंग मामलों को लेकर नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड की रिपोर्ट आई है, जिसके बाताया गया है कि भारत के कुल 25 हाईकोर्ट में 58 लाख 59 हजार केस पेंडिंग हैं। इनमें से करीब 42 लाख केस सिविल और 16 लाख केस क्रिमिनल नेचर के हैं। इन 58 लाख में से 62 हजार मामले 30 साल से लंबित हैं। वहीं, 3 केस 72 साल से चल रहे हैं।

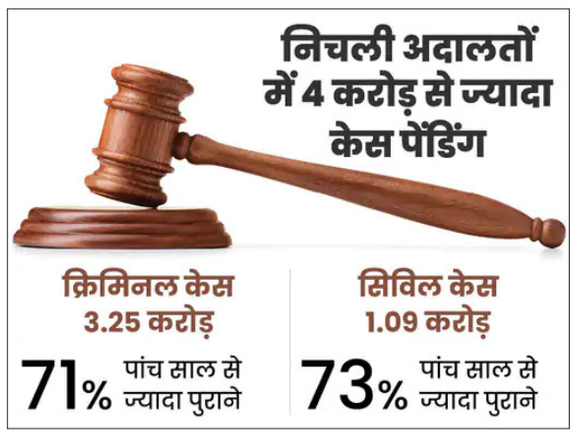

इन 3 में से 2 केस कलकत्ता हाईकोर्ट और 1 केस मद्रास हाईकोर्ट में पेंडिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सभी कोर्ट्स (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट समेत अन्य कोर्ट) में 5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट के दो अहम निर्देश...

सुप्रीम कोर्ट ने 20 अक्टूबर को पांच साल से ज्यादा समय से पड़े पेंडिंग केस को निपटाने के लिए चीफ जस्टिस को कमेटी बनाने के लिए कहा था, जो लगातार इन पर निगरानी कर सके। कोर्ट का कहना है कि न्याय की उम्मीद से लाखों लोग याचिका दायर करते हैं। सभी लोगों को इंसाफ मिले ये हमारी जिम्मेदारी है। न्याय में देरी से लोगों का अदालत से भरोसा कम होने लगता है।
जिलों और तालुकाओं की सभी अदालतें यह सुनिश्चित करना होगा कि दलीलें पूरी होने के बाद पार्टियां तय दिन पर उपस्थित हों। इसके अलावा मामलों के बयान 30 दिनों के भीतर दर्ज हो जाएं। अगर किसी का बयान तयसीमा पर दर्ज नहीं हो पाया तो लिखित बताएं कि इसमें देरी क्यों हुई।

निचली अदालतों में 70 हजार केस 30 साल से पेंडिंग

सभी राज्यों के लोअर कोर्ट्स में कुल 4.34 करोड़ केस लंबित हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश 1.09 करोड़ में पेंडिंग हैं, इसके बाद दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है, जहां 49.34 लाख केस पेंडिंग हैं।

आंकड़े बताते हैं कि निचली अदालतों में पेंडिंग 70 हजार 587 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं, 36 हजार 223 सिविल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से पेंडिंग हैं।

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि पिछले 10 साल में सिविल और क्रिमिनल पेंडिंग केस की संख्या जिला स्तर पर 34 लाख से ज्यादा और हाई कोर्ट में 12.5 लाख से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट में कुल 11 हजार मामले पेंडिंग हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पेंडिंग केस को लेकर 20 अगस्त को सुनवाई की थी। इसमें जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने कहा था कि एक डेटा के मुताबिक, देश में 6% आबादी मुकदमेबाजी से प्रभावित है। यह चिंताजनक स्थिति है।

TMC सांसद राज्यसभा से इस्तीफा देंगे

कोलकाता रेप-मर्डर,

- ममता को लिखा- उम्मीद थी आप पुराने स्टाइल में एक्शन लेंगी, ऐसा नहीं हुआ

नई दिल्ली. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर और भ्रष्टाचार मामले के विरोध में TMC सांसद जवाहर सरकार ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वे राजनीति से भी संन्यास लेंगे।

जवाहर सरकार ने रविवार (8 सितंबर) को पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री CM ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखकर सरकार की कार्यशैली पर निराशा जताई।

उन्होंने लिखा-मैं आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद एक महीने तक चुप रहा। मुझे उम्मीद थी कि आप अपने पुराने स्टाइल में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों के मामले में हस्तक्षेप करेंगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। सरकार अब जो भी कार्रवाई कर रही है, वह बहुत कम है और काफी देर से की जा रही है। राज्य में बहुत पहले ही सामान्य स्थिति बहाल हो गई होती, अगर भ्रष्ट डॉक्टरों के ग्रुप को तोड़ दिया जाता और गलत प्रशासनिक कार्रवाई करने के दोषियों को घटना के तुरंत बाद सजा दी जाती।

जवाहर सरकार ने चिट्ठी में ममता को बताया कि वे जल्द ही दिल्ली जाकर राज्यसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। जवाहर सरकार एक रिटायर्ड IAS अधिकारी हैं। वे एक पब्लिक इंटेलेक्चुअल, स्पीकर और लेखक के तौर पर जाने जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने 2 अगस्त 2021 को उन्हें राज्यसभा भेजा था।

जवाहर सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की लगातार अनदेखी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'मैं 2022 में पार्टी जॉइन करने के एक साल बाद पूर्व शिक्षा मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के खुले सबूत देखकर काफी हैरान था। मैंने कहा दिया था कि भ्रष्टाचार से पार्टी और सरकार को निपटना चाहिए, लेकिन पार्टी में सीनियर नेताओं ने मेरे साथ गलत व्यवहार किया। मैंने तब इस्तीफा नहीं दिया, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि आप कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेंगी। हालांकि, मेरा मोहभंग बढ़ता गया, क्योंकि राज्य सरकार भ्रष्टाचारियों को लेकर काफी लापरवाह रही।

मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि कई पंचायत और नगरपालिका स्तर के नेताओं ने बड़ी संपत्ति अर्जित ली है। वे महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। इससे न केवल मुझे, बल्कि पश्चिम बंगाल के लोगों को दुख होता है।'

असम में आधार के लिए NRC रसीद जरूरी

- CM सरमा बोले- घुसपैठियों को रोकने में मदद मिलेगी
- धुबरी में आबादी से ज्यादा आधार कार्ड मिले

गुवाहाटी. असम में अब सभी नए आधार कार्ड आवेदकों को अपने नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (NRC) आवेदन की रसीद नंबर जमा करनी होगी। यह घोषणा शनिवार (7 सितंबर) को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने की है। उन्होंने कहा कि राज्य में इस कदम से अवैध घुसपैठियों को रोकने में मदद मिलेगी।

राज्य में 1 अक्टूबर से नई प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसमें चाय बागान क्षेत्रों को छूट मिलेगी। हालांकि, जिन 9.55 लाख लोगों की बायोमेट्रिक जानकारी NRC प्रक्रिया के दौरान लॉक कर दी गई थी, उन्हें इस नियम से नहीं गुजरना पड़ेगा।

CM ने बताया कि धुबरी जिले में आबादी से ज्यादा आधार कार्ड जारी किए गए थे। ऐसे में आशंका है कि कुछ संदिग्ध लोगों को भी आधार कार्ड मिला हो। इसी के बाद यह कदम उठाया गया है।

असम में इस साल 54 अवैध प्रवासी मिले

जनवरी 2024 से अब तक राज्य में 54 अवैध प्रवासियों की पहचान की गई है, जिनमें से अधिकांश करीमगंज, बोगाईगांव, हाफलोंग और धुबरी जिलों में पाए गए हैं। इनमें से 45 लोगों को उनके देश वापस भेज दिया गया है, जबकि 9 को करीमगंज में गिरफ्तार किया गया।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रहे अवैध प्रवास को रोकने के लिए पुलिस और BSF को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत सीमा से लगे जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती की जाएगी। साथ ही सीमा चौकियों पर गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

स्थानीय लोगों को भी जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दे सकें।

गणेश प्रतिमा के जुलूस पर पत्थर फेंकने का आरोप

रतलाम. रतलाम में शनिवार रात को 500 से ज्यादा लोगों ने स्टेशन रोड थाने का घेराव कर दिया। आरोप है कि गणेश प्रतिमा ले जाने के दौरान जुलूस पर किसी ने पत्थर फेंका।

घटना मोचीपुरा इलाके की है। हिंदू संगठन के लोग आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर थाने पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने पहले उन्हें समझाया, बाद में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। एफआईआर होने के बाद पुलिस जांच के लिए घटना स्थल पर गई। उनके पीछे-पीछे भीड़ भी वहां पहुंच गई।

केंद्र सरकार ने पूजा खेडकर की सेवा समाप्त की

- फर्जी सर्टिफिकेट का मामला
- पूर्व ट्रेनी IAS बोली थीं- UPSC को मुझे हटाने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शनिवार (7 सितंबर) को पूर्व ट्रेनी IAS अफसर पूजा खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा से तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त कर दिया। उनके खिलाफ ये एक्शन IAS (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत लिया गया है।

पूजा 2023 बैच की ट्रेनी IAS थीं। उन्हें CSE-2022 में 841वीं रैंक मिली थी। वे जून 2024 से ट्रेनिंग कर रही थीं। उन पर आरोप है कि उन्होंने रिजर्वेशन का फायदा उठाने के लिए सिविल सर्विस एग्जाम 2022 में खुद से जुड़ी गलत जानकारी दी थी।

मैं AIIMS में जांच कराने को तैयार

पूजा खेडकर की अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। पूजा ने कोर्ट से कहा था कि वो अपनी विकलांगता की जांच **AIIMS** में कराने को तैयार हैं। 4 सितंबर को दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर कहा था कि पूजा की तरफ से **UPSC** में जमा कराए गए दो डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट में से एक फर्जी होने का शक है।
इस पर पूजा ने कहा कि मैं अपनी मेडिकल जांच कराने को तैयार हूं। पहले इन्होंने कहा कि मैंने अपना नाम बदलकर एग्जाम दिया। अब ये कह रहे हैं कि मेरी विकलांगता पर भी संदेह है। ऐसा है तो मैं **AIIMS** जाने को तैयार हूं।

UPSC ने अपनी जांच में पूजा को दोषी पाया था। इसके बाद 31 जुलाई को पूजा का सिलेक्शन रद कर दिया गया। पूजा पर उम्र, माता-पिता की गलत जानकारी, पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने का आरोप था। सिलेक्शन रद होने के बाद पूजा का पद छिन गया। उन पर भविष्य में UPSC का कोई भी एग्जाम देने पर रोक लग गई है।

28 अगस्त को पूजा ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा था कि UPSC के पास उनके खिलाफ कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है। मेरे सारे डॉक्यूमेंट को 26 मई 2022 को पर्सनैलिटी टेस्ट में आयोग ने वैरिफाई किया था।

बक्सर में 13 कोच लेकर दौड़ा इंजन, 9 पीछे छूटे

बक्सर. पटना जा रही मगध एक्सप्रेस रविवार दोपहर रघुनाथपुर और टुड़ीगंज के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रेन की कपलिंग टूटने से गाड़ी दो भाग में बंट गई। हालांकि किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हावड़ा दिल्ली रेल रूट पर धरौली हॉट के पास ये हादसा हुआ है। कंपलिंग टूटने के बाद तेज झटके के साथ ट्रेन रुक गई। ट्रेन रुकते ही सभी यात्री जैसे-तैसे ट्रेन से उतरे। कोई इमरजेंसी खिड़की से कूदा तो कोई धक्कामुक्की कर गेट से। हादसा दिन में तकरीबन 11:07 बजे पर हुआ। इंजन के साथ 13 कोच आगे बढ़ गए, जबकि 9 पीछे रह गए। करीब 70 मीटर दूर जाकर ट्रेन रूक गई। इस घटना के बाद फिलहाल इस रेलखंड पर परिचालन ठप है।

हादसे के बाद रेल प्रशासन में हड़कंप है। रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम भेजी गई है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' को सेंसर बोर्ड ने दिया सर्टिफिकेट

इमरजेंसी के 3 सीन डिलीट, 10 बदलाव भी करने होंगे

नई दिल्ली. हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने U/A सर्टिफिकेट दे दिया है। इस फिल्म के कई सीन पर CBFC ने आपत्ति जताई है, जिसकी वजह से अब ये फिल्म कई कट और बदलावों के बाद कुछ ही हफ्तों में रिलीज की जाएगी। CBFC ने इस फिल्म से 3 सीन डिलीट करने के निर्देश दिए हैं। सख्त हिदायत दी है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले इसमें 10 बदलाव करने होंगे।

फिल्म को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जताई थी, जिसके कारण CBFC ने सर्टिफिकेट रोक दिया था। कंगना ने बताया था कि सर्टिफिकेट ना मिलने के कारण फिल्म अपने तय समय पर रिलीज नहीं हो पाई है। सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिलने के बाद अभी तक सिख संगठनों की तरफ से या फिर कंगना के तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पोड्यूसर और डायरेक्टर को सेंसर बोर्ड के निर्देश

इमरजेंसी में दिखाए गए विवादित बयानों पर सेंसर बोर्ड ने फैक्ट्स दिखाने को कहा है। CBFC ने कहा है कि मेकर्स को इस फिल्म में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड मिल्हौस निक्सन द्वारा भारतीय महिलाओं के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल के भारतीयों को खरगोशों की तरह प्रजनन करने वाले बयानों के सोर्स पेश करने होंगे।

सेंसर बोर्ड ने मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को 10 बदलावों की लिस्ट भेजी है। इनमें अधिकतर दृश्य वे हैं, जिन पर सिख संगठनों की तरफ से आपत्ति जताई गई है। फिल्म के एक सीन में पाकिस्तानी सैनिकों को बांग्लादेश शरणार्थियों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। इसमें उन्हें बच्चों व महिलाओं पर हमला करते हुए दिखाया गया है। CBFC ने इस सीन पर भी अपनी आपत्ति जताई है।

फारूक अब्दुल्ला बोले- अमित शाह नेशनल कॉन्फ्रेंस से डरते हैं, हम घुसपैठिए नहीं

- पूछा- 370 खत्म किया तो क्या आतंकवाद खत्म हो गया

जम्मू. जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अमित शाह पर निशाना साधा है। अब्दुल्ला ने कहा- शाह कहते हैं कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस सत्ता में आई तो आतंकवाद फिर से शुरू हो जाएगा। मैं उनसे पूछता हूं कि जब उन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म किया तो क्या आतंकवाद खत्म हो गया?

अब्दुल्ला ने कहा- अमित शाह नेशनल कॉन्फ्रेंस से डरते हैं, इसलिए वे हर तरह से नेशनल कॉन्फ्रेंस को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम जीतेंगे। मैं उनसे बस इतना कहना चाहता हूं कि हम उस भारत के खिलाफ हैं, जो वे बनाना चाहते हैं। भारत सबका है, हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, ईसाई सबका है।

उन्होंने कहा- हम घुसपैठिए नहीं हैं, हम मंगलसूत्र नहीं छीनने जा रहे, जो वे मुसलमानों पर उंगली उठा रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि मुसलमानों ने भी देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान की है। वे केवल हिंदुओं को डराने की कोशिश करते हैं, लेकिन अब हिंदू वह हिंदू नहीं हैं।

शाह ने कहा- अब्दुल्ला की सरकार कभी नहीं बन सकती

गृह मंत्री अमित शाह ने 6 सितंबर को भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया था। 7 सितंबर को उन्होंने जम्मू के पलौरा में जनसभा की। शाह ने कहा- जम्मू-कश्मीर में अफवाह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार बनाने जा रही है। मैं बहुत छोटी उम्र से चुनावी आंकड़े सीख रहा हूं और मैं आपको यह बता रहा हूं कि जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला की सरकार कभी नहीं बन सकती। भाजपा चुनाव जीतेगी।

जाहीर नोटीस

तहसिलदार तथा तालुका कार्यकारी दंडाधिकारी उल्हासनगर यांचे कार्यालय, गांधी रोड उल्हासनगर-५

दुरध्वनी क्र.:-02512530568 ईमेलः tahulhasnagar@gmail.com

१) श्री. कन्हैयालाल मदनलाल पुरोहित अर्जदार
रा. उल्हासनगर, जि. ठाणे

विरुध्द

२) निबंधक, जन्म मृत्यु नोंदणी विभाग, सामनेवाले
उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

तमाम जनतेस सदर नोटीसीद्वारे सुचीत करण्यात येते आहे के येणेप्रमाणेः

१. उपरोक्त अर्जदार कन्हैयालाल मदनलाल पुरोहित यांचा मुलगा सुनिल कन्हैयालाल पुरोहित याचा जन्म/मृत्यू उल्हासनगर येथे दिनांक 25/07/1976 रोजी झालेला आहे. अर्जदाराकडून काही अपरिहार्य कारणामुळे तसेच अनावधनामुळे सदर मृत्यूची नोंद निबंधक, जन्म मृत्यु नोंदणी विभाग, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर दफ्तरी करुन मृत्यूचा दाखला प्राप्त करुन घ्यावयाचा राहीला होता. अर्जदार यांना त्यांचे जन्म/मृत्यू दाखल्याची आवश्यकता आहे.

२. उशीरा जन्म नोंदणी दाखला मिळणेसाठी मा. तहसीलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी यांचेकडुन आदेश प्राप्त करुन घ्यावयाचा असल्यामुळे सदर कार्यालयास किरकोळ अर्ज दावा क्र 83/2024 दाखल केला आहे.

3. सदर बाबत कोणत्याही व्यक्तीची कोणतीही हरकत असल्यास ही नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून 30 दिवसाच्या आत सदर न्यायालयात दाखल करावी. वरील मुदतीत कोणी योग्य हरकत न दाखल केल्यास अर्जदार यांना सदर कार्यालयातर्फे अर्जदार अर्जदार यांची आई चंद्रज्योती रामबक्श यादव यांचा मृत्यू नोंदणीचा दाखला मिळणेकरीता आदेश करण्यात येईल.

आज दिनांक माहे 05/09/2024 रोजी माझे सहीने व शिक्क्याने दिली.

हुकुमावरुन

उल्हासनगर तहसील कार्यालयाचा शिक्का

सही /-
कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर

पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने पहली बार 29 मेडल जीते

- इनमें 7 गोल्ड
- आतंकी मुठभेड़ में पैर गंवाने वाले नगालैंड के होकातो सेमा ने ब्रॉन्ज जीता

पेरिस पैरालिंपिक-2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भारत ने 7 गोल्ड समेत 29 मेडल जीतकर अपना सफर समाप्त किया। 10वें दिन शनिवार, 7 सितंबर को देश को 3 मेडल मिले। गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी आज (8 सितंबर को) रात 11:30 बजे से होगी।

इन मेडल के सहारे भारत मेडल टैली में 16वें नंबर पर रहा। देश ने 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल जीते। यह भारत का

ऑलटाइम बेस्ट प्रदर्शन है, इससे पहले टोक्यो में देश ने 5 गोल्ड समेत 19 मेडल जीते थे।

आखिरी दिन भारत के जेवलिन थ्रोअर नवदीप ने मेंस F41 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता, हालांकि ईरानी एथलीट बेइत सायाह सादेग के अयोग्य होने के बाद नवदीप को गोल्ड दिया गया। नवदीप के अलावा, सिमरन ने विमेंस टी-12 कैटेगरी की 200 मीटर रेस में और नगालैंड के होकातो सेमा ने मेंस शॉटपुट में एक-एक ब्रॉन्ज मेडल जीते। उन्होंने 22 साल पहले एक आतंकी मुठभेड़ में बायां पैर गंवा दिया था।

एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 17 मेडल

भारत ने टोक्यो में 19 मेडल जीते थे, इस बार 17 मेडल तो एथलेटिक्स में ही आ गए। एथलीट्स ने 4 गोल्ड, 6 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज मेडल जीते। जबकि बैडमिंटन दूसरा बेस्ट स्पोर्ट रहा, इसमें 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल मिले। भारत को पैरा आर्चरी में पहली बार गोल्ड मेडल मिला, हरविंदर सिंह ने यह कारनामा किया। आर्चरी में राकेश कुमार और शीतल देवी की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। शूटिंग में 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल मिले। इनके अलावा जूडो में पहली बार एक ब्रॉन्ज मेडल मिला।

स्कूल में धार्मिक स्पीच देने वाले के खिलाफ केस

- स्पीकर बोले थे- मंत्रों से इलाज संभव
- MDMK सांसद ने कहा- ये बातें बच्चों को गुमराह करती हैं

चेन्नई. तमिलनाडु के सरकारी स्कूल में आध्यात्मिक स्पीच देने वाले स्पीकर महाविष्णु के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। स्पीकर ने 5 सितंबर को चेन्नई के दो स्कूलों सैदापेट हाई स्कूल और अशोक नगर गर्ल्स हाई स्कूल में एक सप्रिचुअल अवेकनिंग क्लास आयोजित की थी।

ये स्पीकर परमपोरुल फाउंडेशन (एनजीओ) से जुड़े हैं। उन्होंने जाति, वर्ग, पुण्य, पाप, मंदिर पर स्पीच दी। स्पीकर ने कहा- हमें पिछले कर्मों की सजा इस जन्म में मिलती है। साथ ही

उन्होंने मंत्रों से बीमारी ठीक करने का भी दावा किया था।

MDMK सांसद दुरई वाइको ने कहा, यह बेहद निंदनीय है कि महाविष्णु के नाम पर एक व्यक्ति हमारे स्कूल परिसर में घुस आया। वह कहता है कि अगर हम मंत्र का जाप करते हैं, तो हमें एसिड रेन मिल सकती है, बीमार लोग ठीक हो सकते हैं। इस तरह के व्यक्ति को कभी भी स्कूल के अंदर नहीं आने दिया जाना चाहिए।

संक्षेप...

8वीं मंजिल से छलांग लगा युवक ने की आत्महत्या

ठाणे. माजीवाड़ा इलाके में रहने वाले दीप ठक्कर (28) ने इमारत की आठवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. बी टेक की डिग्री लेने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे ठक्कर का सुसाइड नोट मिला है. जिसमें उसने अपनी उम्मीदें पूरी न कर पाने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों से माफी मांगी है. नोट में यह भी कहा गया है कि आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए. वर्तकनगर पुलिस मामला दर्ज जांच कर रही है.

अजित पवार बोले- मुझे गलती का एहसास हुआ

■ **पत्नी को बहन सुप्रिया के खिलाफ चुनाव लड़वाया था**

मुंबई. महाराष्ट्र के डिप्टी CM और NCP अध्यक्ष अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा पवार को बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़वाने पर एक बार फिर अपनी गलती मानी है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज परिवार में लड़ाई को पसंद नहीं करता है।

अजित गढ़चिरौली में शनिवार (7 सितंबर) को एक जनसम्मान रैली को संबोधित कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा- परिवार में फूट डालने की गलती नहीं करनी चाहिए। मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है। मैंने भूल स्वीकारी है।

अजित ने एक महीने के भीतर दूसरी बार अपनी बात दोहराई है। उन्होंने इससे पहले 13 अगस्त को एक मराठी न्यूज चैनल को इंटरव्यू में कहा था कि राजनीति को घर में घुसने नहीं देना चाहिए। मेरा अपनी पत्नी को बहन के खिलाफ चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था।

अजित ने विधायक की बेटी को बगावत से रोकने की कोशिश की

अजित ने गढ़चिरौली में भाषण के जरिए NCP नेता राज्य मंत्री

धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री को NCP (शरद गुट) में जाने से रोकने की कोशिश की।

दरअसल, आगामी विधानसभा चुनाव में भाग्यश्री के अहेरी विधानसभा सीट से NCP (शरद गुट) के टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकले हैं। ऐसा हुआ तो वो अपने पिता के खिलाफ ही चुनाव लड़ेंगी। धर्मराव बाबा आत्राम 2019 से अहेरी के विधायक हैं। जुलाई 2023 में जब अजित पवार ने चाचा शरद पवार से बगावत की थी, तो उनका साथ देने वालों विधायकों में धर्मराव बाबा भी थे। तब NCP दो खेमे में बंट गई थी।

अजित NCP (अविभाजित) के 8 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। उन्होंने अपने साथ 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया था। गठबंधन सरकार में अजित को डिप्टी CM बनाया गया था।

अजित बोले- बेटी को पिता से ज्यादा प्यार कोई नहीं कर सकता

अजित ने धर्मराव बाबा की बेटी से कहा- बेटी को उसके पिता से ज्यादा कोई प्यार नहीं कर सकता। आत्रम ने भाग्यश्री को जिला परिषद का अध्यक्ष बनाया। अब वे अपने ही पिता के खिलाफ लड़ने के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्हें अपने पिता का साथ देना चाहिए। उन्हें जीतने में मदद करनी चाहिए। एक बाप अपनी बेटी को जितना प्यार करता है, उतना कोई नहीं कर सकता।

गोवंडी-गोरेगांव में छापेमारी 9.19 लाख की ड्रग्स जब्त

मुंबई. मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवंडी और गोरेगांव इलाकों में छापेमारी की और 9.19 लाख की ड्रग्स जब्त की। छापेमारी में 2,130 नाइट्राजेपाम की गोलियां और 23 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया गया। इसके अलावा, कार्रवाई के दौरान 6 लाख नकद बरामद किए गए।मामले के सिलसिले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एंटी-नारकोटिक्स सेल के अधिकारियों ने बताया कि घाटकोपर यूनिट ने नाइट्राजेपाम की गोलियों की अवैध बिक्री के बारे में मिली सूचना के आधार पर गोवंडी में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एक महिला को पकड़ा गया और तलाशी में 3.47 लाख की कीमत की 2,130 नशीली गोलियां और 6 लाख नकद बरामद किए गए।

एक अलग छापेमारी में, एंटी-नारकोटिक्स सेल की कांदिवली इकाई ने गोरेगांव में 23 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया, जिसकी कीमत 5.72 लाख है। मारिजुआना कथित तौर पर अवैध तस्करी के लिए लाया गया था। इस मामले में भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, और ड्रग व्यापार के पीछे के नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आरोपियों पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आयुक्त ने किया गणेश घाट का निरीक्षण

■ **विसर्जन के लिए बन रहा है वैकल्पिक मार्ग**

कल्याण. पश्चिम के दुर्गाडी गणेशघाट पर कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र के अलावा उल्हासनगर से बड़ी गणेश मूर्तियां मुख्य रूप से विसर्जन के लिए आती हैं। चूंकि यह कल्याण का सबसे बड़ा प्राकृतिक विसर्जन स्थल है, इसलिए मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने शुक्रवार को गणेशघाट का दौरा कर विसर्जन को लेकर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। पहले इस स्थान पर दुर्गामाता चौक से गणेशघाट की ओर जाने वाली दो सड़कें थीं। इनमें से एक सड़क का उपयोग प्रवेश के लिए और दूसरे का बाहर निकलने के लिए किया जाता था। लेकिन स्मार्ट

सिटी परियोजना के तहत इस स्थान पर बनाए जा रहे नौसेना संग्रहालय के कारण इस वर्ष इनमें से एक मार्ग को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसलिए पुलिस विभाग और सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों द्वारा विसर्जन के लिए आने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग की जा रही थी। भक्तों की सुविधा के लिए केडीएमसी द्वारा रिंग रोड स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप से दुर्गाडी गणेश घाट तक वैकल्पिक सड़क बनाने का काम तेज़ गति से चल रहा है।

कुल 115 मी. लम्बा और 15 मी. चौड़ी सड़क को पेवर ब्लॉक बिछाकर पूरा किया जा रहा है। साथ ही इस स्थान पर बहने वाले नाले पर 6 फीट व्यास के 4 पाइप की सहायता से ब्रिज भी बनाया गया है। इसके लिए महानगरपालिका ने 2 करोड़ रुपये की निधि खर्च करने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। वैकल्पिक मार्ग बनने के बाद विसर्जन के दिन दुर्गामाता चौक पर ट्रैफिक जाम भीड़ कम करने में काफी मदद मिलेगी। इस मौके पर शहर अभियंता अनिता परदेशी, कार्यकारी अभियंता जगदीश कोरे, विभाग प्रमुख (सूचना एवं जनसंपर्क) संजय जाधव, जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफले आदि उपस्थित थे।

सपा कार्यकर्ताओं को विधायक आजमी ने दिया जीत का मंत्र

■ **एकजुटता से ही होगी जीत**

भिवंडी. आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष,विधायक अबू आसिम की अध्यक्षता में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया.उक्त अवसर पर सपा विधायक रईस शेख,वरिष्ठ सपा नेता अजय यादव, जलीस आजमी,हाजी सलाम नोमानी,भिवंडी पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष रियाज आजमी,पूर्व नगरसेवक परवेज सरदार, एस बी पाटिल, नासिर जावेद,पूर्व नगरसेवक हसीब खान सहित तमाम नेता गण एवम कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि, प्रदेश सपा मुखिया एवम विधायक अबू आसिम आज़मी ने भिवंडी महानगर के विभिन्न प्रकोष्ठों के नए अध्यक्षों और पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की.आजमी ने भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट पर चुनाव में विधायक रईस शेख को ही दुबारा प्रत्याशी घोषित कर शहर में प्रत्याशी बदलने को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा कि,

5 वर्षों के कार्यकाल में विधायक रईस शेख द्वारा जनहित में किए गए तमाम विकासकार्य काबिले तारीफ हैं. सपा ने भिवंडी शहर की दोनो सीटों पर महागठबंधन नेताओं से दावेदारी की है अगर महागठबंधन मानेगा तो भिवंडी पश्चिम की सीट पर भी सपा प्रत्याशी उतारेगी. उन्होंने कहा कि, आपसी मतभेद भूलकर पार्टी

संगठन को अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ और प्रभाव बढ़ सके. नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा जिससे पार्टी के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकेगा.सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का मुख्य उद्देश्य गरीबों, मजदूरों, किसानों सहित समाज के पिछड़े वर्गों की आवाज उठाना है.पार्टी की नीतियाँ और योजनाएँ हमेशा जनता के हित में रही हैं.आगामी विधानसभा चुनाव में जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए समाजवादी पार्टी हर संभव प्रयास करेगी. सपा विधायक आजमी ने सपा कार्यकर्ताओं को चुनाव में जीत का मंत्र देते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अब से ही मेहनत शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि, वे घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएं और उन्हें पार्टी की उपलब्धियों से अवगत कराएं. उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास हमेशा से संघर्ष का रहा है.हम जनता के साथ हैं और जनता के लिए हैं.आगामी चुनावों में हम जनता के विश्वास और समर्थन से ही विजयी होंगे.

सम्मेलन में भिवंडी महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने स्तर पर सक्रियता से काम करने का संकल्प लिया.

मनपा आयुक्त सौरभ राव के हाथों से फिरते विसर्जन व्यवस्था का उद्घाटन

ठाणे. ठाणे मनपणे की ओर से मनपा क्षेत्र के अंतर्गत इस बार 6 फिरते गणेश मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था किया है। इसका उद्घाटन आज मनपा मुख्यालय के प्रांगण में आयुक्त राव के हाथों से किया गया। इस बार फिरते विसर्जन की व्यवस्था चार प्रभाग समिति में किया गया है।शहर के सभी गणेश भक्तों को इस सुविधा का लाभ लेने के लिए मनपा आयुक्त राव ने उद्घाटन के समय कहा।इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदेपूरे, उपायुक्त मीनल पालांडे, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान,स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राणी शिंदे आदि उपस्थित थे।मनपा आयुक्त राव के निर्देशानुसार मनपा क्षेत्र के अंतर्गत बांधकाम विभाग, पर्यावरण विभाग व घनकचरा विभाग ने विसर्जन व्यवस्था का नियोजन किया है।जिसमें 9 विसर्जन घाट,15 कृतिम तालाब,10 मूर्ति स्वीकृति केंद्र व 49 जगह टाकी विसर्जन व्यवस्था व 6 फिरते विसर्जन व्यवस्था का समावेश है।

विधायक नितेश राणे पर कानूनी कार्रवाई की मांग

■ **कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल ने पुलिस को सौंपा ज्ञापन**

कल्याण. नफरती भाषणों से दो समुदाय में कटुता पैदा करने वाले भाजपा विधायक नितेश राणे की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। एक समुदाय विशेष की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप करते हुए कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल के पदाधिकारियों ने डोंबिवली के मानपाड़ा थाने में शिकायत कर नितेश राणे पर कानूनी कार्रवाई की

मांग की है। बतादें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के सुपुत्र एवं कणकवली से भाजपा विधायक नितेश राणे इन दिनों अपने विवादास्पद बयानों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए है। हाल ही में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में आयोजित सभा के दौरान नितेश राणे ने एक नफरती बयान दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। दरअसल बीते 1 सितंबर को अहमदनगर के श्रीरामपुर में हिंदू संत महंत रामगिरि महाराज के समर्थन में सभा का आयोजन किया गया। बीजेपी विधायक नितेश राणे ने सभा को संबोधित करते हुए मुसलमानों को चेतावनी दी। राणे ने कहा कि यदि हमारे रामगिरि महाराज को नुकसान पहुंचाया तो मस्जिद में घुसकर चुन-चुनकर मारेंगे। भड़काऊ बयान को लेकर महाराष्ट्र के अलग-अलग पुलिस थानों में नितेश राणे पर आपराधिक मामला दर्ज किया जा चुका है। इसी क्रम में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव शिबू शेख की अगुवाई में हाजी पटेल, पूर्व नगरसेवक इफ्तिखार खान, अय्यूब खान, गुलाब चांद मणियार, जलील मणियार, अशफाक शेख, फ़ाइज़ मुल्ला आदि कार्यकर्ताओं ने मानपाड़ा पुलिस के अधिकारी को निवेदन सौंपकर नितेश राणे के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने पूर्व पार्षद घोसालकर की हत्या की जांच CBI को सौंपी

मुंबई. बंबई उच्च न्यायालय ने शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर की हत्या की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। न्यायालय ने कहा कि यदि मामले के सभी पहलुओं की जांच वर्तमान मामले की तरह नहीं की जाती है, तो इससे न्याय का मखौल उड़ेगा। केंद्रीय एजेंसी को जांच सौंपते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि यह एक निर्मम हत्या थी, जिसे लाइव रिकॉर्ड किया गया और ऐसी घटना जिसने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ ने कहा, ₹यह एक निर्मम हत्या थी, जिसे लाइव रिकॉर्ड किया गया और ऐसी घटना जिसने सभी की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया।₹ घोसालकर की हत्या व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता मौरिस नोरोन्हा ने 8 फरवरी को

उपनगरीय बोरीवली में फेसबुक लाइव सत्र के दौरान की थी।

नोरोन्हा ने अपने अंगरक्षक अमरेंद्र मिश्रा की बंदूक का इस्तेमाल किया। इसके बाद नोरोन्हा ने कथित तौर पर खुद को भी मार डाला। उनकी विधवा तेजस्वी घोसालकर ने सीबीआई से जांच की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उनकी याचिका में शिकायत की गई है कि जांच एजेंसी ने उनके पति की 'असामयिक और अत्यधिक संदिग्ध, गंभीर, निर्दयी, क्रूर, जघन्य, वीभत्स, दिनदहाड़े, निर्मम हत्या' के मामले में ₹कोई ठोस न्यायोचित सफलता नहीं पाई है₹।

मामले की जांच शुरू में एमएचबी कॉलोनी पुलिस स्टेशन ने की थी और फिर इसे मुंबई क्राइम ब्रांच ने अपने हाथ में ले लिया था। हाईकोर्ट ने जांच को सीबीआई को हस्तांतरित नहीं किया था। मामले की सभी कोणों से जांच करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, हाईकोर्ट ने कहा कि जांच में विश्वसनीयता प्रदान करना और विश्वास पैदा करना आवश्यक है।

यदि किसी मामले के सभी कोणों की जांच वर्तमान मामले की तरह नहीं की जाती है, तो इससे न्याय का मजाक उड़ेगा। इसलिए, भले ही जांच में निर्दोष चूक हो, इसे जारी रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, क्योंकि इससे अंततः निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच से इनकार हो जाएगा, जिससे न्याय का हनन होगा, जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है, अदालत ने रेखांकित किया।

दीपिका पादुकोण ने बेटी को जन्म दिया

■ **शनिवार को एडमिट हुई थीं**

■ **महीनों पहले रणवीर ने इच्छा जताई थी- भगवान दीपिका जैसी बेटी दे दें**

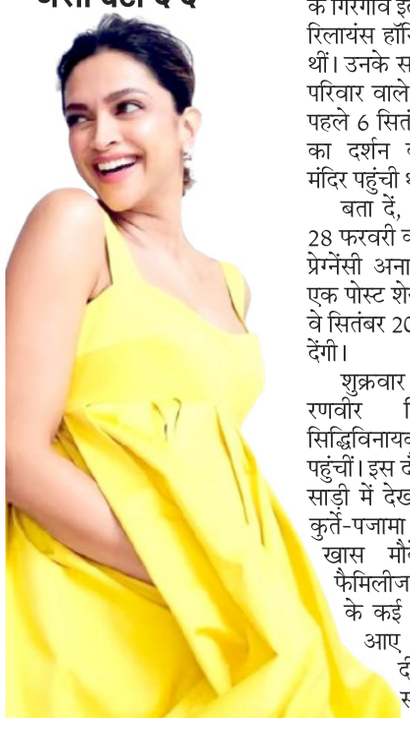

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पेरेंट्स बन गए हैं। दीपिका ने रविवार को बेटी को जन्म को दिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर कर दी है।

एक्ट्रेस शनिवार दोपहर मुंबई के गिरगांव इलाके में मौजूद एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं। उनके साथ रणवीर सिंह और परिवार वाले भी मौजूद थे। इससे पहले 6 सितंबर को दीपिका बप्पा का दर्शन करने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची थीं।

बता दें, दीपिका ने इस साल 28 फरवरी को सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था कि वे सितंबर 2024 में बच्चे को जन्म देंगी।

शुक्रवार दोपहर दीपिका पति रणवीर सिंह के साथ सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान दीपिका को ग्रीन साड़ी में देखा गया, वहीं रणवीर कुर्ते-पजामा में नजर आए। इस खास मौके पर दोनों की फैमिलीज भी मौजूद रहीं। दोनों के कई वीडियोज भी सामने आए थे, जिसमें प्रेग्नेंट दीपिका को रणवीर सहारा देते दिखे हैं।

आम सूचना

हम श्रीमती झरना कमलेश तोलाणी व श्रीमती निकिता कमलेश तोलाणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि शाप नं.171, डिस्पेंसरी, 1 ला माला, प्लांट यूं नं.297, शीट नं.85, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 15एआय015740100) उक्त प्रॉपर्टी श्री कमलेश नारायणदास तोलाणी के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 8.7.2024 सी.नं. 370/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती झरना कमलेश तोलाणी व श्रीमती निकिता कमलेश तोलाणी

आम सूचना

मैं श्री विजय लक्ष्मणदास लिमानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि ऑफिस - शाप नं. 14, ग्राउंड फ्लोर, बजाज शापिंग काम्पलेक्स, शाप नं. 1114, फर्नीचर बाजार, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 28बीआय005042900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मंजू लक्ष्मणदास लिमानी व श्री विजय लक्ष्मणदास लिमानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 3.9.2024 सी.नं. 83 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विजय लक्ष्मणदास लिमानी

आम सूचना

मैं श्रीमती दिव्या नरेशलाल छाब्रिया सभी को सूचित कर रही हूं कि लेफ्ट साईड, अपर का भाग, रुम नं. 1, सामने बैरक नं. 575, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीआय016081600(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती दीपा भरत अछरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.7.2021 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती दिव्या नरेशलाल छाब्रिया

आम सूचना

मैं श्रीमती पूनम धरमूमल मंगताणी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, सामने बैरक नं. 575, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीआय016081600(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती दीपा भरत अछरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.2.2023 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पूनम धरमूमल मंगताणी

आम सूचना

मैं श्री पवनकुमार परमात्मा पाठक सभी को सूचित कर रहा हूं कि प्रापर्टी 365 चौ.फुट में से 243 चौ.फुट, सुभाष नगर, कालीमाता मंदिर के पास, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 27बीओ004743500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मीना विलास कते के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.7.2024 सी.नं. 284 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री पवनकुमार परमात्मा पाठक

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099